

GYANOUDAY

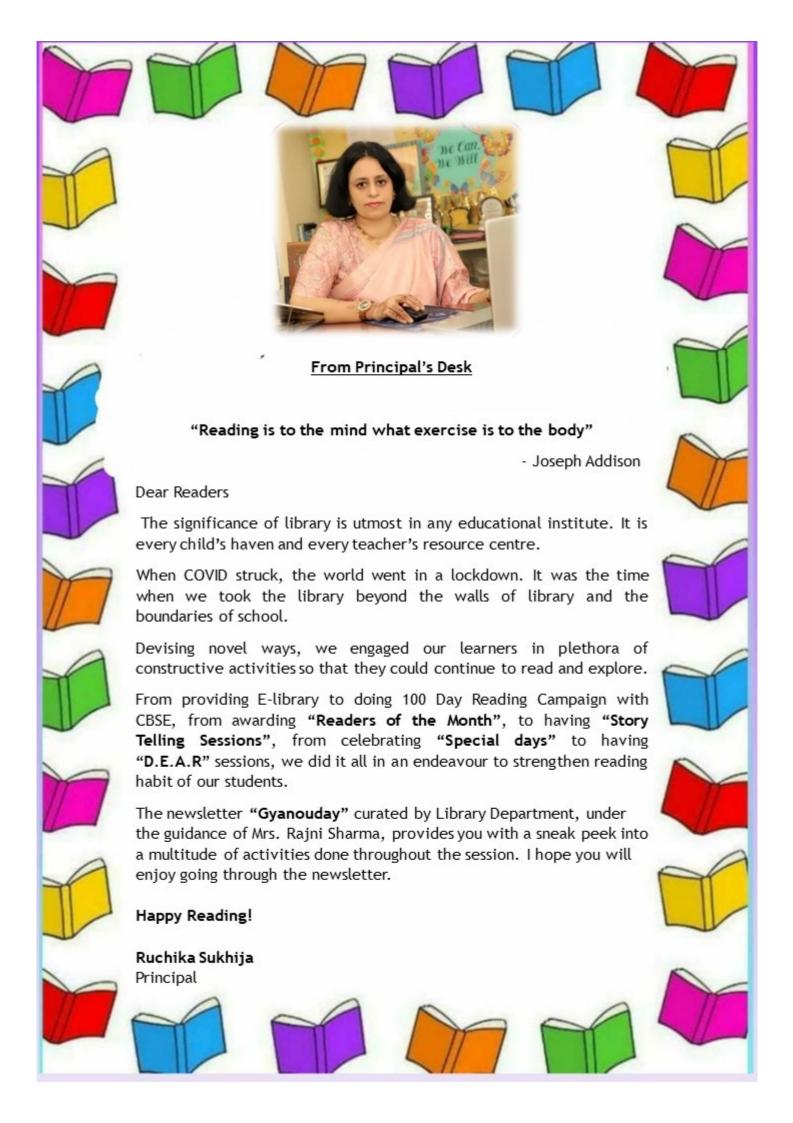


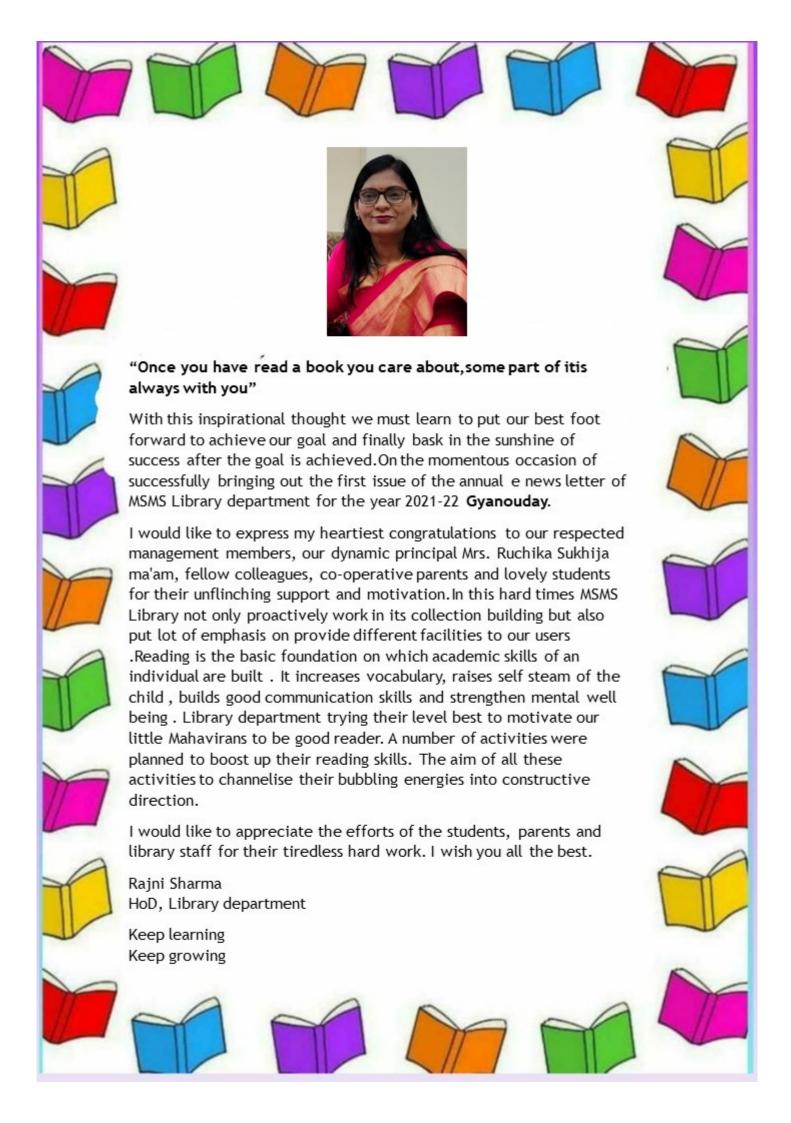


MAHAVIR SENIOR MODEL SCHOOL

"GYAMOUDAY"











Strong or Weak

There was a proud teak tree in the forest. He was tall and strong. There was a small herb next to the tree.

The teak tree said, "I am very handsome and strong. No one can defeat me". Hearing this the herb replied, "Dear friend, too much pride is harmful. Even the strong will fall one day".

The teak ignored the herb's words. He continued to praise himself.

A strong wind blew. The teak stood firmly. Even when it rained, the teak stood strong by spreading its leaves.



fun of the herb.

One day there was a storm in the forest. The herb bowed low. As usual the teak did not want to bow.

The storm kept growing stronger. The teak could no longer bear it. He felt his strength giving way.

He fell down. This was the end of the proud tree. When everything was calm the herb stood straight. He looked around. He saw the proud teak had fallen.



The Goose with the Golden Eggs

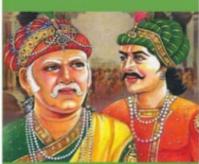


Once upon a time, a man and his wife had the good fortune to have a goose which taid a golden egg every day Lucky though they were, they soon began to think they were not getting rich fast enough.



MORAL-THINK REFORE YOU ACT

बीरबल की खिचडी



एक दिन बादशाह अकबर ने घोषणा की कि जो आदमी सदीं के इस मौसम में नदी के ठण्डे पानी में रात-भर खड़ा रहेगा, उसे शाही खजाने से पुरस्कृत किया जायेगा।

The Ant and the Grasshopper

in a field one summer's day a Grasshopper was day a Grasshopper was hopping about, chirping and singing to its heart's content. An Ant passed by, bearing along with great effort an ear of corn



great effort an ear of corn
he was taking to the nest.
"Why not come and chat
with me," said the Grasshopper, "instead of toiling and moilling away?" "I am
helping to lay up food for the winter," said the Ant,
"and recommend you to do the same." "Why bother
about winter?" said the Grasshopper; "we have got
valuable of food at pressor. plenty of food at present.



But the Ant went on its way and continued its toil. When the winter came the Grasshopper found itself dying of hunger, while it saw the ants distributing, every day, corn and grain from the stores they had collected in the summer.

MORAL: WORK TODAY AND YOU CAN REAP THE BENEFITS TOMORROWS

















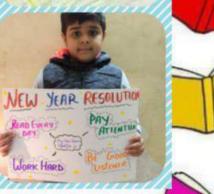




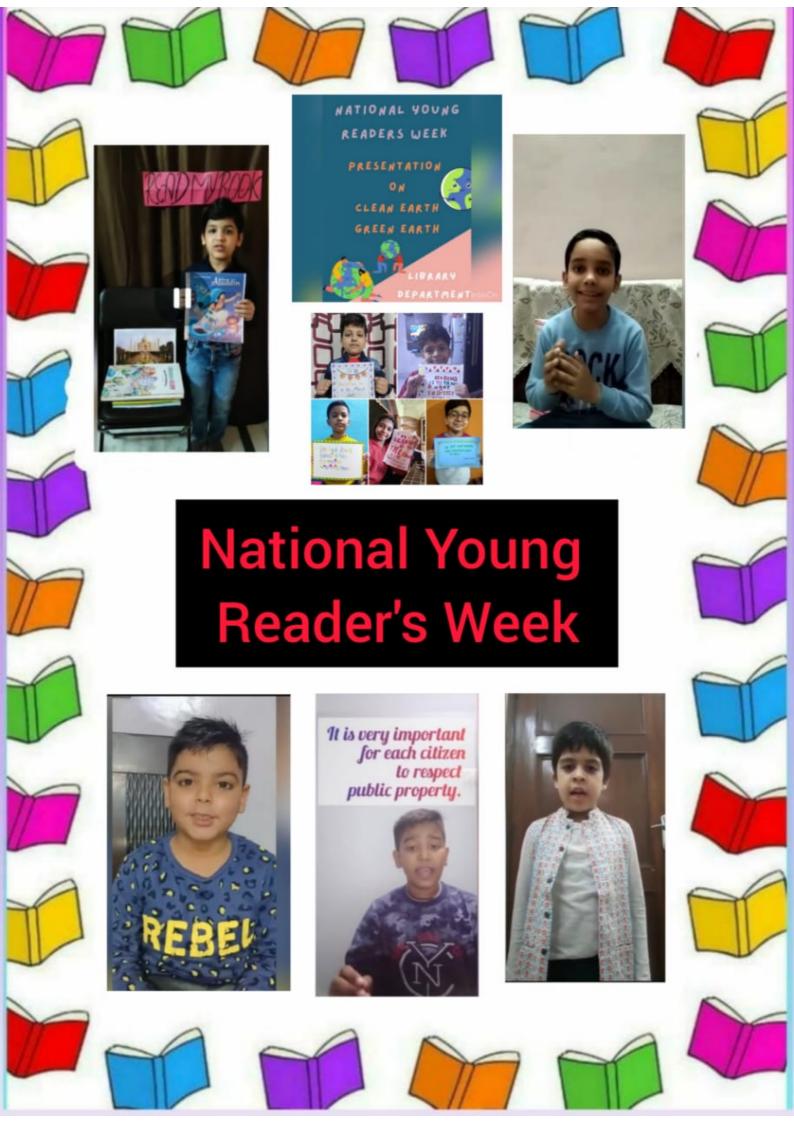




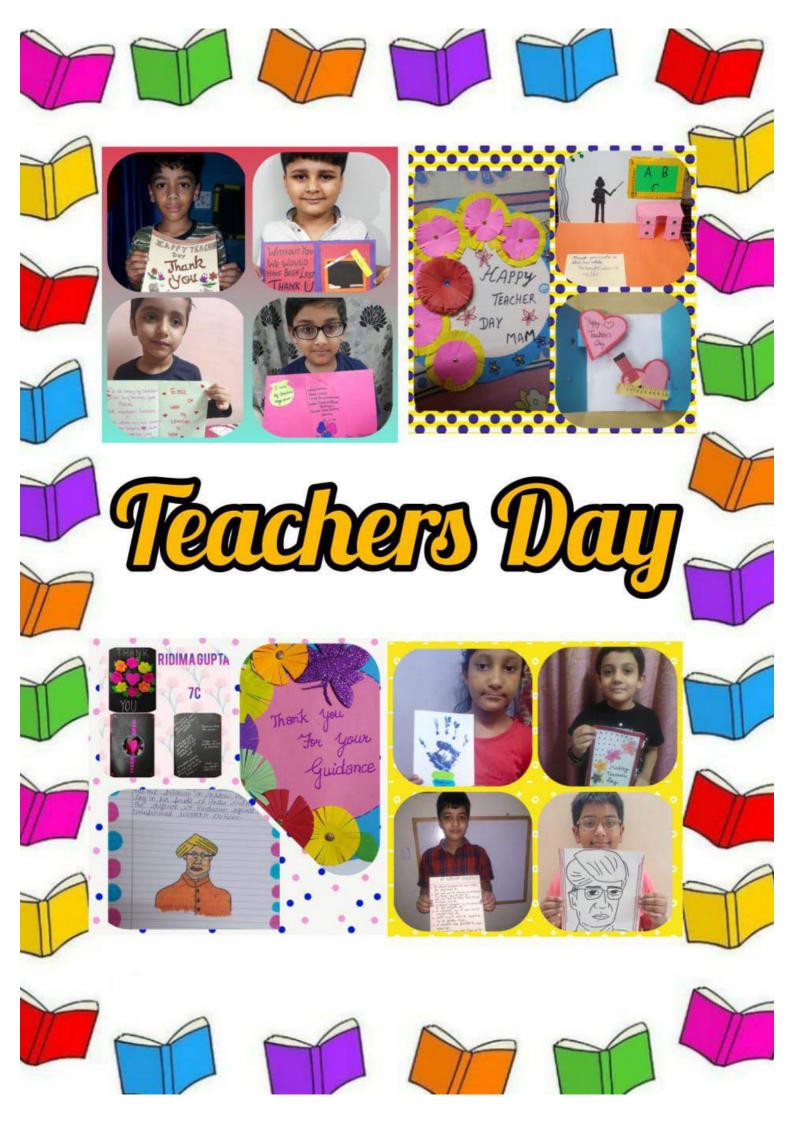


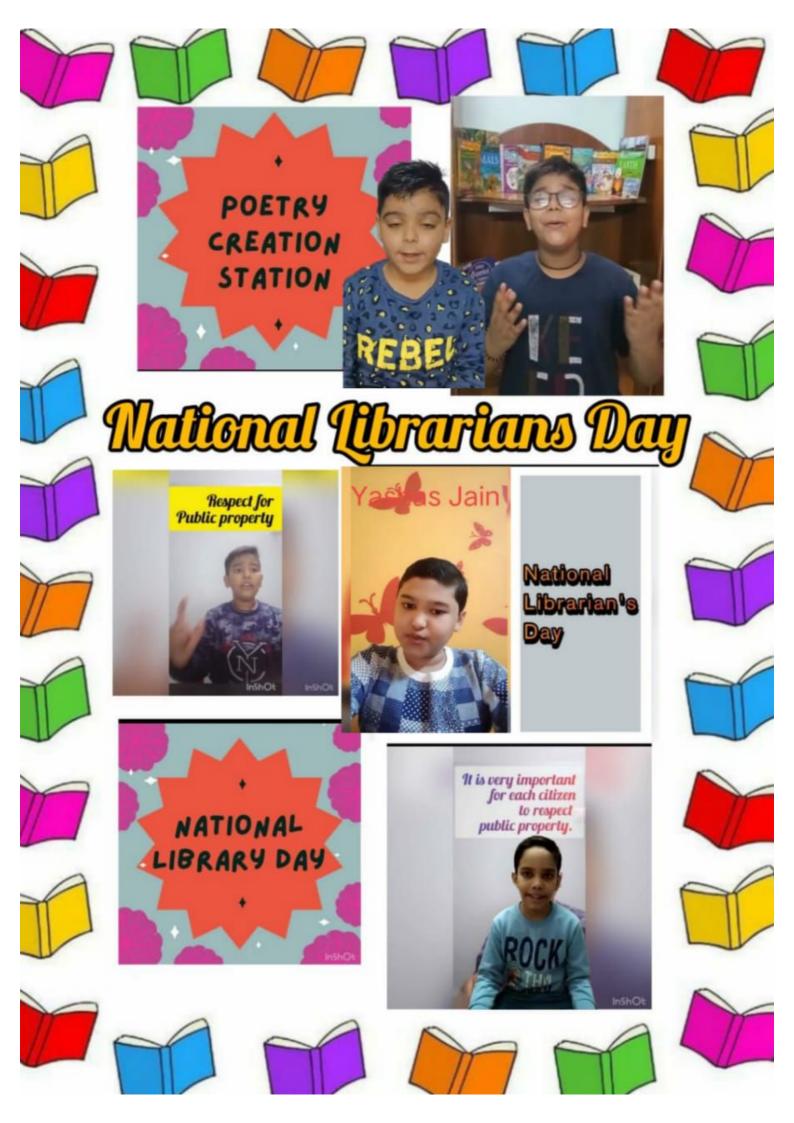




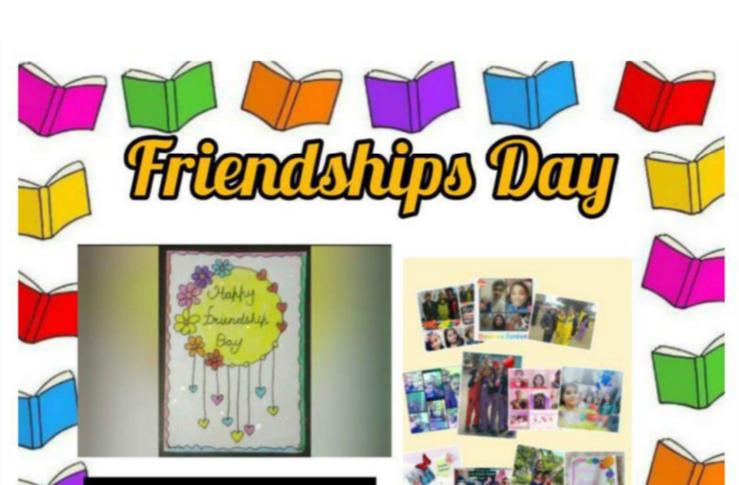




















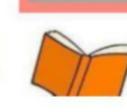










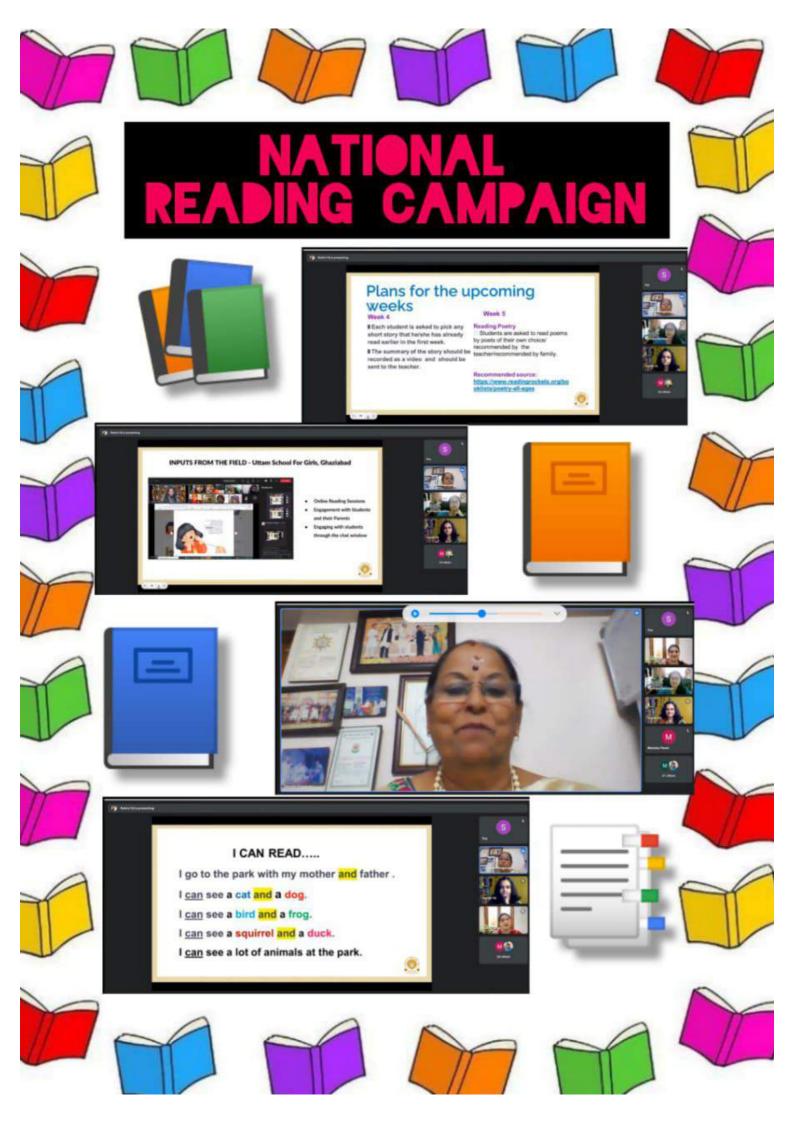


INDRA NOOYI



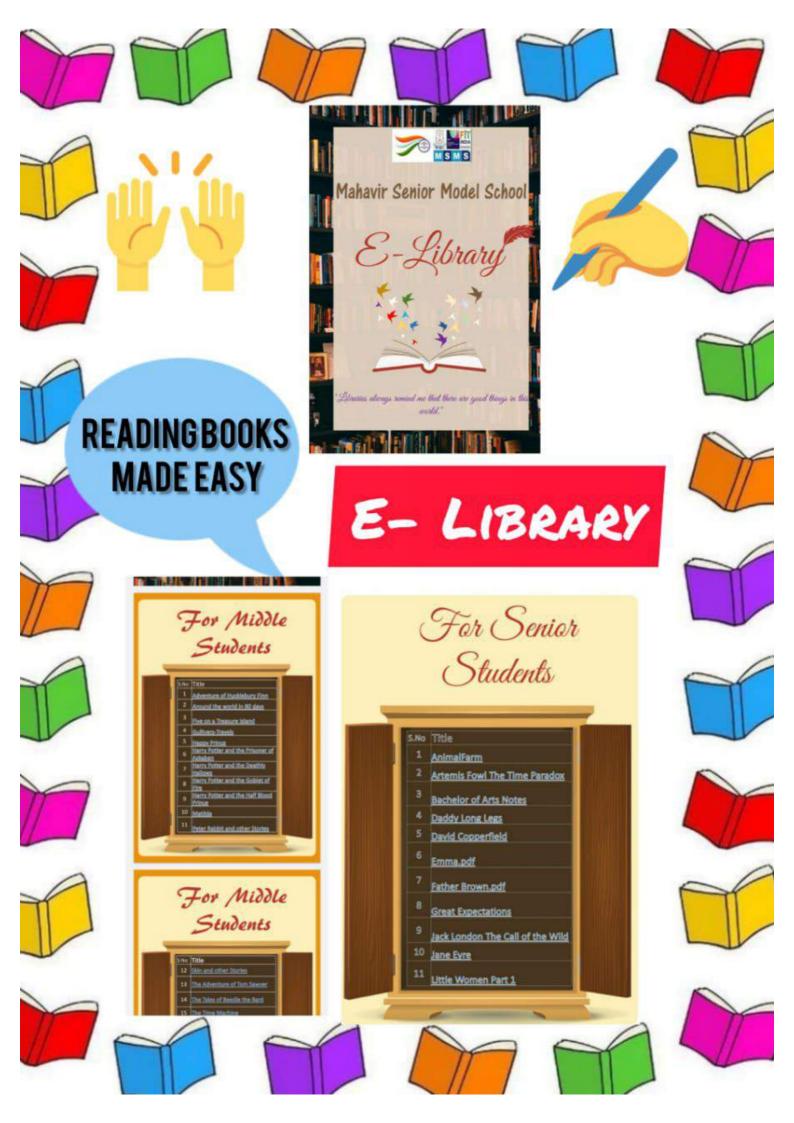




































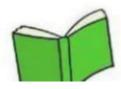






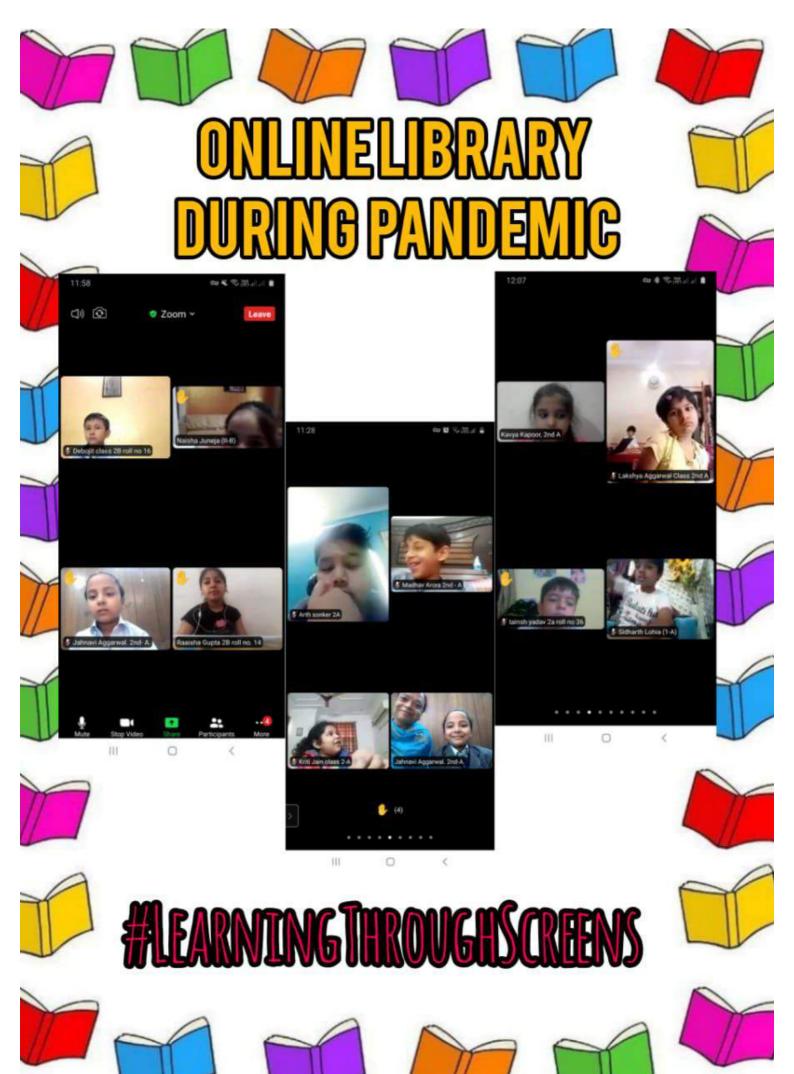


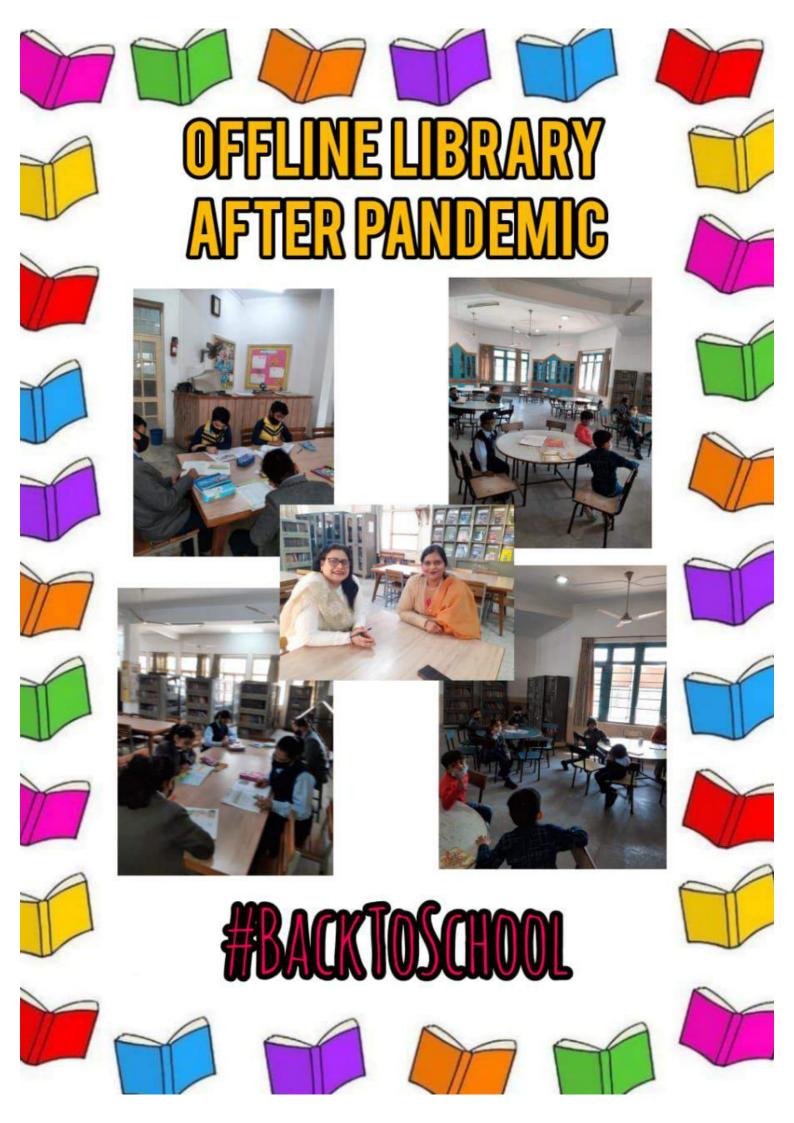




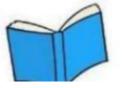






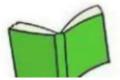




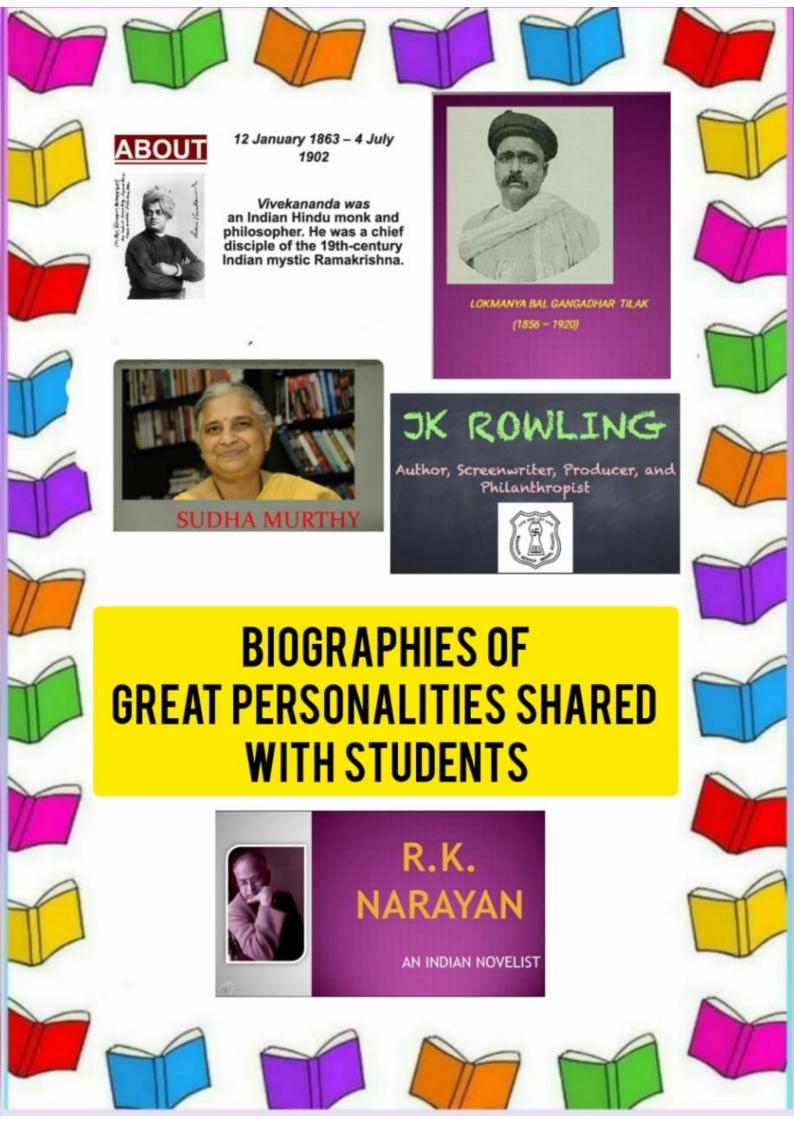


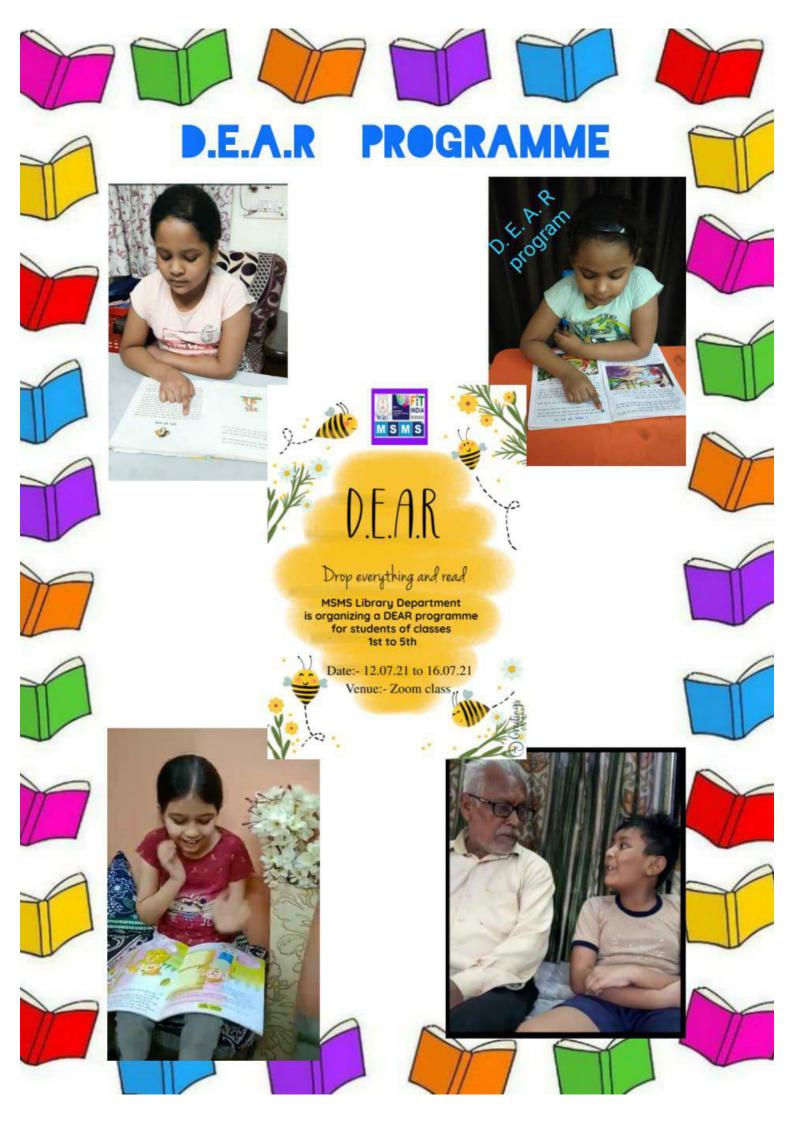


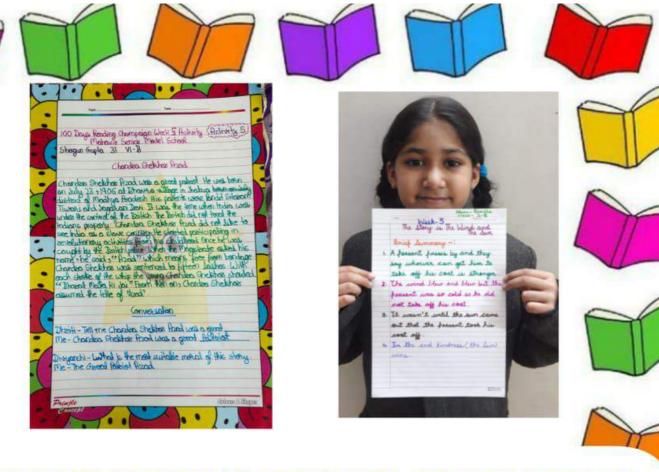






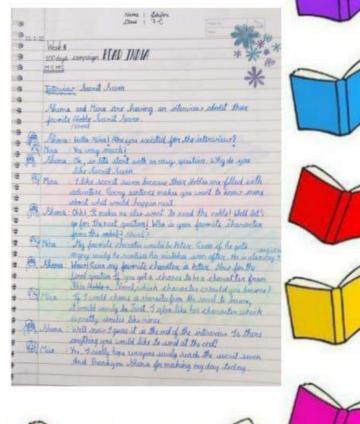






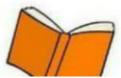
#READERSARELEADERS

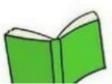


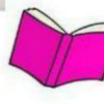


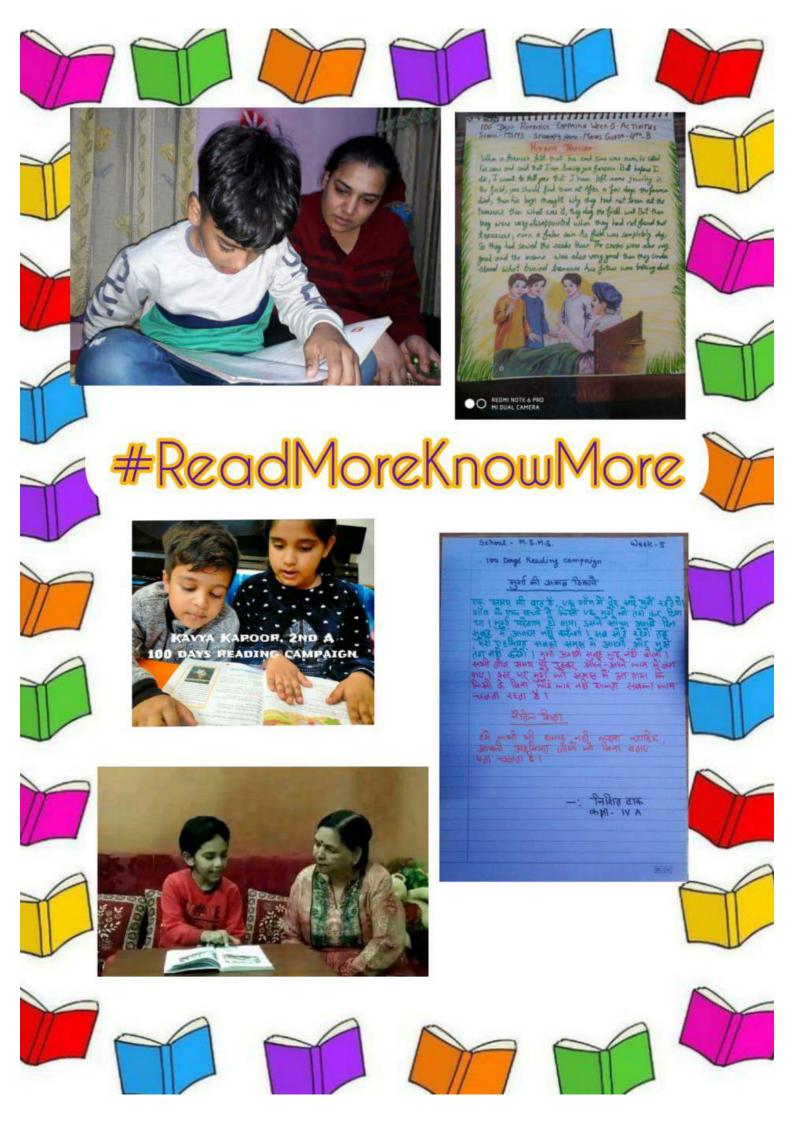








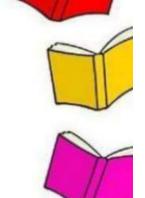
















वर्ष ३३ व्यक ३३ दिल्ली (पृष्ट ह)

महावीर सीनियर मॉडल स्कूल ने मनाया 'राष्ट्रीय युवा पाठक सप्ताह' बोलने से पहले सोचें, सोचने से पहले पढ़ें

महावीर सीनियर मॉडन स्कूल के पुस्तकालय विभाग ने इस वर्ष 14 से 19 नवंबर 2021 तक राष्ट्रीय युवा गठक नप्ताह' मनाया। यह हमारे युवाओं को किलाकों की विश्वसानीय युनिया से परिचित कराने का एक समुचित अवसर है। क्या आप जानते हैं कि बच्चे केवस पढ़ने से प्रति वर्ष 4 हजार 12 हजार शब्द सीखते हैं, याई वह कोई भी किलाब क्यों न ही? यंग रीडर्स वीक पढ़ने के महत्व के बारे में जागरकता बढ़ाता है और यह बच्चों को पढ़ने के लिए परित व उत्साहित करता है। पढ़ने से भाषा और साक्षरता कीडान सहाविकरण व मरिताच्य में उन सहाविकर सहाव है। यह बच्चों को उन

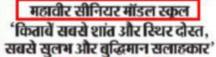
क । तथ चारत व उत्साहत करता है। पड़ने में आगा और नास्तरता कींका सक्षितकरण व मस्तिक्क में रचनात्मक विकास संभव है। यह बच्चों को उन सभी छोटे फशों की समझने, शीखने और उत्तर देने में सहायक सिद्ध होता है। किताब गानार्थन की महत्वपूर्ण भूमिका में सहायक सिद्ध होती हैं। यह तसाब निवारक है क्योंकि यह हमें टैनिक जीवन में तनाव और विद्या से बचने में सहायक होती हैं। यह मस्तिक्क, उन्नृति, रचनात्मकरा, कर्मना को उत्पेरित व उत्साहित करने में सहायक हैं। नियमित रूप से अध्ययन कारणकृत्वित में विकास, एकायता, अभ्यास परिपक्वता के साथ रवयं को तलाडगुकत रवला सहज संभव है। प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों के आध्ययन से जान बढ़ता है। इसी राज्यों में महावीर सीमियर मॉडन रक्कू के पुस्तकावय विभाग में विद्यार्थियों के लिए कुछ सहज व उपयोगी कार्ययोजना तैयार की। विद्यार्थियों में बड़े ही जीश, उत्साह के साथ इन मोनिविधियों जैसे कि श्वरचित कहानी, कविता पाठ और आषण में आम जिया तथा पुस्तकों पर अपने बहुमूच्य विधार भी ठायमा किए।

रजनी शर्मा



सान्ध्य महालक्ष्मी भाग्योदय





राज्य बहालक्षी / ३० जुलाई २०२१

फितामें पड़ना हमारे बोधने के तरीक में एक अपनार्यजनक व्यदलाय लाता है। फितामें पड़ना सबसे अद्धूत रेमांची में से एक है। पड़ने में मिताम बच्च पटा, स्वर्ष के 1 घट के बमान है। याचा प्रताम बना, जिल्ली रिमान सहार्थार सीनियर मोडला सकूल में सभी की फितामें पड़ने के प्रति जनस्वक करने न पड़ने के महत्व के समझाने के लिए प्रति वर्ष की तरता इस वर्ष में डिट्टर प्रीवाम (D.E.A.R.) अर्थान् स्वयं कुछ खोड़ों और पड़ों सम्बद्ध सन्वयं।

हवारी ट्रस्ती व कमंद्र फ्राजनावार्ग सीमती सीचका मुखीजा के कुजल नेतृत्व में पुस्तकजला विकाम द्वारा एक सप्ताह का हितर पीचाय आयजित किया गया, जिसमें विधार्षियों, ऑपमायकों व म्हूनन के सभी अध्ययक मार्ग ने उत्तकाश्चांक भाग लिखा 'Diop Everything and Read (D.E.A.R.) 'मब कुल छोड़े और रहो' - यह विधार्षियों में यहने को अदर को प्रीत्यक्तित कारने के लिए शुक्त किया गया एक क्यंक्रम है। इस बार्यक्रम में विधार्षियों को अस्प विकास के लिए और एक सम्प्र पुस्तकों का अहर्यद लेने के लिए काम से कम 30 मिनट का समय निकाशने के लिए प्रोत्यक्तित किया जाता है। इस आधे प्रदे के प्रीयन वह कोई भी किताब, लेख, उपाख्यान, प्रतिका आदि पढ़ सकते हैं। इसमें बच्चों को यह पुस्ते वा मौजा निलाश है कि वह खीन के किताब मुंगे और उक्तक उपरांत यह

उस पर आपसे और युक्ते पिकाधियों के साथ पार्चा अरेंग।
जिताओं के बारे में बात करने, सबाश पूछने और जो उन्हें पसंद है उसे
साझ करने से पहने के प्रति लगन को बहुव्य मिलाए है। जब इस प्रोजाम का भारूर अर्जद स्ते हैं। उसते को दे पुस्तक भी प्रदान को गई। उसते का प्राचनी सकालस्थ अर्जद स्ते हैं। उसते को दे पुस्तक भी प्रवान को गई। उससे कावी

- श्रीमती रजनी सम्ब













